# प्रतिवेदन

**कार्यक्रम –** छात्रों एवं शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

**विषय –** भारतीय काव्य सिद्धांत और इसकी उपादेयता

**आयोजन –** हिन्दी विभाग एवं आई क्यू ए सी

**दिनांक –** 27 मई 2021

**मोड–** ऑनलाईन

शासकीय महात्मा गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय खरसिया के हिन्दी विभाग में हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ0 रमेश टण्डन के द्वारा छात्रोपयोगी विषय भारतीय काव्य सिद्धांत और इसकी उपादेयता पर दिनांक 27 मई 2021 को जूम मीटिंग के माध्यम से ऑनलाईन राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का आयोजन किया किया। निधि पटेल के द्वारा प्रस्तुत राज्य गीत के पश्चात् विशिष्ट अतिथि डॉ0 मीनकेतन प्रधान ने पूर्ण विद्वता के साथ संगोष्ठी के विषय का प्रवर्तन किया। मुख्य अतिथि सम्माननीय आचार्य डॉ0 ए डी एन वाजपेयी कुलपति अटल बिहारी वाजपेयी ने संगोष्ठी की सफलता की कामना करते हुए हिन्दी साहित्य के शास्त्रीय पक्ष को भी रेखांकित किया। प्राचार्य डॉ0 पी सी घृतलहरे की अध्यक्षता में सम्पन्न संगोष्ठी में वक्ता डॉ0 कल्पना मिश्रा रायपुर ने आचार्य भरत मुनि के रस सिद्धांत और आचार्य कुन्तक के वक्रोक्ति सम्प्रदाय को विशेष रूप से वाणी दी। काशी उत्तरप्रदेश से ऑनलाईन सम्मिलित वक्ता डॉ0 विवेकानंद उपाध्याय ने खासतौर से आ0 भामह के अलंकार सिद्धांत और आ0 क्षेमेन्द्र के औचित्य सम्प्रदाय पर अपना व्याख्यान दिया। सेवा निवृत्त सह प्राध्यापक डॉ0 ज्योति मिश्रा सम्बलपुर ओड़िसा ने आ0 आनंदवर्धन के ध्वनि सिद्धांत और आ0 वामन के रीति सम्प्रदाय पर प्रतिभागियों का ध्यान आकृष्ट किया। प्रतिभागियों के सरल ज्ञान लाभ के लिए संगोष्ठी के दौरान प्रत्येक वक्तव्य पर सार प्रस्तुतिकरण एवं विश्लेषण भी प्रस्तुत किया गया। महासमुंद से सहायक प्राध्यापक सीमारानी प्रधान ने रस और वक्रोक्ति से संबंधित वक्तव्य पर सार प्रस्तुत किया। तमनार के सहायक प्राध्यापक कमल यशवंत सिन्हा ने अलंकार और औचित्य पर सटीक विश्लेषण दिया। अखिल भारतीय हिन्दी महासभा के प्रांताध्यक्ष डॉ0 विभाषा मिश्र रायपुर ने ध्वनि और रीति सम्प्रदाय के वक्तव्य पर विश्लेषण करते हुए सार दिया।

संयोजक डॉ0 आर के टण्डन ने संगोष्ठी के उद्देश्य के संबंध में यह कहा कि अक्सर संगोष्ठी लोकप्रिय और समकालीन विषयों पर होती हैं। परन्तु हमारा मानना है कि संगोष्ठी ऐसे विषयों पर हो, जो छात्रोपयोगी हो, क्लिष्ट हो और आम पाठक तक नहीं पहुँच पाया हो। क्लिष्ट विषयों को जनमानस तक पहुँचाना संगोष्ठी का उद्देश्य होना चाहिए। अतः अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर के अन्तर्गत एम ए हिन्दी तृतीय सेमेस्टर के जटिल प्रथम प्रश्न पत्र भारतीय काव्य शास्त्र को संगोष्ठी के विषय के रूप में चुना गया, जिससे विषय सुगम हो सके और परीक्षा पूर्व छात्रों को विषय के बारे में महत्त्वपूर्ण जानकारी रोचक शैली में मिल सके। ओड़िसा, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, जम्मू, उत्तरप्रदेश, राजस्थान, मध्यप्रदेश, बिहार आदि अनेक राज्यों से शताधिक प्रतिभागियों ने संगोष्ठी का लाभ लेते हुए संगोष्ठी को अत्यंत लाभदायक, ज्ञानवर्धक एवं श्रेष्ठ बताया। आई क्यू ए सी समन्वयक मनोजकुमार साहू के तकनीकी संयोजन, डॉ0 आर के टण्डन के मंच संचालन एवं महाविद्यालय की अतिथि प्राध्यापक डॉ0 आकांक्षा मिश्रा के द्वारा व्यक्त समस्त अतिथियों, वक्ताओं, प्रतिभागियों के आभार प्रदर्शन के साथ संगोष्ठी पूरी तरह सफल रही। संगोष्ठी में खरसिया महाविद्यालय के समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों एवं एमए हिन्दी में नियमित अध्ययनरत छात्रों की उपस्थिति रही।